सांध्य दैनिक
4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 271 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 8 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

हम सब यहां किसी खास वजह से हैं। अपने अतीत के कैदी बनना छोड़िए, अपने भविष्य के निर्माता बनिए।
- रॉबिन शर्मा

मैक्सवेल के कमाल से पस्त हुआ ... 7 | आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों से गरमाई... 3 | समाजवादी विचारधारा को खत्म... 2

राहुल गांधी ने नोटबंदी को बताया सोची-समझी साजिश

बोले- फैसले का मकसद पीएम के मित्रों को लाभ पहुंचाना

99 प्रतिशत आम भारतीयों पर हमले का हथियार बनी नोटबंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज 8 नवंबर को नोटबंदी के 16 साल पूरे होने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा है। राहुल गांधी ने कहा कि नोटबंदी एक सोची समझी साजिश थी। इसके जरिए रोजगार को तबाह किया गया और असंगठित अर्थव्यवस्था को तोड़कर रख दिया गया है।

कांग्रेस नेता ने नोटबंदी को एक हथियार बताया, जिसके जरिए परम मित्र की झोली भरकर उसे 609 से दुनिया का दूसरा सबसे अमीर शख्स बनाया गया। बता दें कि नोटबंदी की आज सातवीं बरसी हैं। सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को नोटबंदी का ऐलान किया था।

पीएम मोदी पर साधा निशाना

राहुल गांधी ने नोटबंदी के जरिए भाजपा और पीएम मोदी को निशाने पर लिया। पीएम पर इशारों-इशारों पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि नोटबंदी एक सोची समझी साजिश थी। रोजगार तबाह करने की, श्रमिकों की आमदनी रोकने की, छोटे व्यापारों को खत्म करने की, किसानों को नुकसान पहुंचाने की और असंगठित अर्थव्यवस्था को तोड़ने की। उन्होंने लिखा कि 99 प्रतिशत आम भारतीयों पर हमला, 1 प्रतिशत पूंजीपति मोदी 'मित्रों' को फायदा। ये एक हथियार था, आपकी जेब काटने का और परम मित्र की झोली भरकर उसे 609 से दुनिया का दूसरा सबसे अमीर बनाने का।

कांग्रेस ने की थी आलोचना

सरकार का कहना था कि नोटबंदी का ऐलान इसलिए किया गया है, ताकि काला धन समाप्त किया जा सके। उसकी तरफ से ये भी तर्क दिया गया था कि नोटबंदी की वजह से लोगों के पेमेंट का तरीका कैश से डिजिटल की तरफ हो जाएगा। कांग्रेस ने इस कदम की आलोचना की थी। कांग्रेस का कहना था कि इसकी वजह से अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचेगा। राहुल गांधी भी ये बात दोहराते रहे हैं। उनका कहना है कि इसके जरिए कुछ खास लोगों को मदद पहुंचाने की कोशिश हुई।

2016 में हुआ था नोटबंदी का ऐलान

जाहिर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर, 2016 की रात 8 बजे देश को संबोधित करते हुए ऐलान किया था कि रात्रि 12 बजे से 500 और 1000 के नोट प्रचलन में नहीं रहेंगे। उन्होंने इन नोटों को बैन करने का ऐलान किया। इसके बाद जिन लोगों के पास 500-1000 के नोट थे, उन्हें इन्हें जमा कराने का ऑप्शन भी मिला। उस समय लोगों को लंबी-लंबी लाइनों में लगकर नोटों को जमा कराते हुए देखा गया था। ऐसी ही लंबी-लंबी लाइनें एटीएम के बाहर भी लगा करती थीं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की आग

» तीन कुकी लोगों पर भीड़ ने किया हमला

» अगवा करने के बाद एक महिला की मिली लाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर में लगी हिंसा की आग बुझने का नाम ही नहीं ले रही है। प्रदेश सरकार के साथ-साथ केंद्र की भाजपा सरकार भी पूरी तरह से यहां शांति कायम रखने में नाकाम साबित हो रहा है। जबकि मणिपुर वो राज्य है जहां पर भाजपा की डबल इंजन सरकार का फॉर्मूला लागू है। लेकिन फिर भी फिर भी पिछले सात महीनों से यहां पर माहौल तनावपूर्ण ही बना हुआ है। अब एक बार फिर मणिपुर में बड़ी वारदात की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, तीन कुकी लोगों को अनियंत्रित भीड़ द्वारा अगवा करने की खबर आ रही है। जिन लोगों को अगवा किया गया है, उनमें एक पुरुष और दो महिला हैं। बाद में एक महिला का शव बरामद किया गया। संदेश जताया जा रहा है कि यह शव अगवा की गई महिला का हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की सुबह करीब 10.30 बजे कुकी समुदाय के पांच लोग एक वाहन में कांगपोकपी (चुराचांदपुर और कांगपोकपी के बीच अंतर संपर्क मार्ग) की ओर जाते समय गलती से मैतेई क्षेत्र में प्रवेश कर गए। इसी बीच, वहां पर अनियंत्रित भीड़ एकत्रित हो गई, जिन्होंने पांच में से तीन लोगों को अगवा कर लिया। अगवा किए गए लोगों में दो महिला और एक पुरुष हैं। जानकारी के मुताबिक कांगचुप चिंगखोंग क्षेत्र में अनियंत्रित भीड़ ने उन पर हमला भी कर दिया। इसमें एक व्यक्ति के सिर में चोटें आई। उन्हें तुरंत 22 असम राइफल्स परिसर में प्राथमिक उपचार दिया गया और कांगचुप पीएस को सौंप दिया गया। बाद में, उन्हें लीमाखोंग से चॉपर द्वारा आगे के इलाज के लिए दीमापुर ले जाया गया।

लगातार हो रही हैं गोलीबारी की घटनाएं

घटना के बाद लमशांग पीएस टीम ने इम्फाल पश्चिम जिले के जैन क्षेत्र अटोंग खुमान और ताइरेनपोकपी (रेलवे परियोजना स्थल के पास) से सिर पर गोली लगी हुई एक महिला का शव बरामद किया गया है। संदेह जताया जा रहा है कि यह शव कांगचुप चिंगखोंग इलाके से भीड़ द्वारा अपहृत कुकी महिलाओं में से एक का हो सकता है। इस बीच, बताया गया है कि कांगचुप-काउटरुक-तेराखोंगसांगबी क्षेत्रों (इम्फाल पश्चिम और कांगपोकपी जिले से सटे) में रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। इसमें तीन और ग्रामीण स्वयंसेवक घायल हो गए, जिनकी पहचान सोरोखैबम सरनजीत, खुंदरकपम सोमोरजीत और खुराइजम नानाओ के रूप में हुई है।

समाजवादी विचारधारा को खत्म करना चाहती है कांग्रेस : अखिलेश

» बोले- कांग्रेसियों को नहीं है हमारी जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

निवाड़ी, मध्य प्रदेश। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच तल्खियां कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आए दिन कांग्रेस पर हमले तेज होते जा रहे हैं। अब मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान अखिलेश ने एक बार फिर कांग्रेस पर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती है कि समाजवादी विचारधारा खत्म हो जाए, लेकिन उनकी पार्टी का संकल्प इसे और अधिक फैलाने का है। अखिलेश यादव मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में निवाड़ी जिले के ओरछा में रामराजा मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। बता दें कि मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव हैं।

इस दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सपा और कांग्रेस द्वारा गठबंधन नहीं करने के बारे में पूछे जाने पर अखिलेश यादव ने कहा कि हम राजनीति में हैं क्योंकि हमारी विचारधारा उनसे अलग है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ परिस्थितियों के कारण हम कांग्रेस के साथ थे, लेकिन कांग्रेसियों को एहसास हुआ कि समाजवादियों की कोई जरूरत नहीं है। इसलिए हमें लौटा दिया गया। सपा प्रमुख ने कहा कि हम समाजवादी अपनी ही पार्टी को खत्म नहीं कर सकते।

लोहिया ने लड़ी थी नेहरू जी के खिलाफ विचारधारा की लड़ाई

इसी दौरान सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि इसी विचारधारा को नेता जी (यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव) ने आगे बढ़ाया था, जिसके लिए राम मनोहर लोहिया ने नेहरू (जवाहरलाल नेहरू) के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि हम समाजवादी विचारधारा को खत्म नहीं होने देंगे। कांग्रेस चाहती है कि समाजवादी विचारधारा खत्म हो जाए। हमारा संकल्प इस विचारधारा को और अधिक फैलाने का है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस में मतभेद हो गया।

एमपी में सपा के लिए गुंजाइश

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने दावा किया है कि लोग गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी से बाहर आ गए हैं। अगर लोग बीपीएल श्रेणी से बाहर आ गए हैं, अगर ऐसा हुआ है तो पांच साल तक मुफ्त राशन क्यों दिया जा रहा है? उन्होंने कहा कि यह हमारी अर्थव्यवस्था की कमजोरी को दर्शाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में सपा के लिए गुंजाइश है।

कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा पर भी साधा निशाना

विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A. का हिस्सा होने के बावजूद दोनों दल मध्य प्रदेश में अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता कांग्रेस और बीजेपी से परे बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि इस क्षेत्र (बुंदेलखंड) के 90 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं और जिनके पास खेती की जमीन नहीं है, वे नौकरियों के लिए पलायन करने को मजबूर हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या यहां (मध्य प्रदेश) और दिल्ली (केंद्र) में डबल इंजन सरकार बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाने के लिए बनाई गई थी? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में गरीब लोगों के लिए केंद्र की मुफ्त राशन योजना को अगले पांच वर्षों तक बढ़ाने की घोषणा की।

रामचरितमानस विवाद

स्वामी प्रसाद मौर्य की बढ़ीं मुश्किलें

» अदालत ने मंजूर की निगरानी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। रामचरित मानस पर विवादास्पद टिप्पणी करने के मामले में सपा नेता और एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रभारी जिला जज सुभाष चंद्र तिवारी की अदालत ने मामले में दाखिल निगरानी याचिका मंजूर कर ली। साथ ही सुनवाई की अगली तिथि 11 दिसंबर तय कर दी है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को नोटिस जारी करने का आदेश भी पारित किया है।

अधिवक्ता अशोक कुमार की तरफ से दाखिल निगरानी याचिका में कहा गया कि स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी से देश-विदेश के असंख्य हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। टिप्पणी से लोगों के बीच जाति ,धर्म और भेदभाव उत्पन्न कर अराजकता को बढ़ाया है। आपसी सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया, जो क्षम्य नही है। अदालत ने याचिका को मंजूर कर ली और सुनवाई की अगली तिथि तय कर दी।

नीतीश कुमार को भारी पड़ेगा जातिगत सर्वे : प्रशांत किशोर

» अगर भला चाहते हैं तो मुसलमान को बना दें होम मिनिस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जातीय आधारित गणना के बाद को सदन में नीतीश सरकार ने आर्थिक सामाजिक सर्वे रिपोर्ट पेश की। अब जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने इस जातिगत सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार को चुनौती दी है। प्रशांत किशोर ने चैलेंज करते हुए कहा कि 2024-25 के चुनाव में नीतीश कुमार को जातिगत सर्वे बहुत भारी पड़ने वाला है। अगर, वे दोनों भला चाहते हैं तो मुसलमान को होम मिनिस्टर बनाएं।

लालू यादव और नीतीश कुमार को ये बताना चाहिए कि समाज के जो पिछड़े वर्ग हैं, जिनकी रहनुमाई का वो दावा कर रहे हैं उनमें से कितने लोगों को उन्होंने टिकट देकर विधायक बनाया है? जो विधायक जीत कर आए हैं, उनमें से कितनों को उन्होंने मंत्रिमंडल में शामिल किया है? जो लोग मंत्रिमंडल में शामिल हैं उन्हें किस तरह के विभाग दिए गए हैं और उनके पास कितना बजट है?

हमारा मुकाबला भाजपा से नहीं, बल्कि ईडी-सीबीआई से: गहलोत

» सीएम ने कहा- सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के बीच नेताओं की बयानबाजी और ज्यादा तल्ख होती जा रही है। कांग्रेस और बीजेपी नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इस बीच राजधानी जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सीएम ने केंद्र सरकार पर एक बार फिर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि हमारा मुकाबला बीजेपी के बजाय, ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स से है। गहलोत ने कहा कि आप (बीजेपी) राजनीतिक दल हो लोगों के घरों में ईडी भेजते हो, सीबीआई भेजत हो। ये रात में सरकार बनाने और गिराने, लोगों का धमकाने का काम करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का प्रयोग करते हैं। ये लोकतंत्र के लिए खतरा है। देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। देश में अगर संविधान नहीं बचेगा, कानून का राज नहीं रहेगा तो कोई सुरक्षित नहीं रहेगा। इसके अलावा सीएम गहलोत ने एक बार फिर राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह अच्छा काम करने पर केरल में सरकार रिपीट हुई उसी राजस्थान में भी हमने अच्छा काम किया है, इसलिए राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी।

घोषणावीर है कांग्रेस : राज्यवर्धन

वहीं उधर, जयपुर की झोटवाड़ा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सिर्फ घोषणा करती है। ये घोषणावीर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बड़े जोश से बोला था कि 10 दिन में किसानों का कर्जा माफ करेंगे, नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देंगे, उन गारंटियों का क्या हुआ। उन्होंने आगे कहा कि गारंटी-गारंटी और व्यक्ति-व्यक्ति में फर्क होता है। कांग्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले कोई नहीं है। जब से कांग्रेस की स्थापना हुई है तब से लेकर आज तक कांग्रेस का कोई भी नेता पीएम मोदी का मुकाबला नहीं कर सकता है।

लोस का सेमीफाइनल है विस चुनाव : वेणुगोपाल

» बोले- हमने जनता से जो वादे किये उन्हें निभाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगाज 7 नवंबर से मिजोरम और छत्तीसगढ़ में एक चरण के मतदान के साथ शुरू हो गया है। इन विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार तेज हो गया है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपना अभियान तेज कर रहे हैं। दलों के शीर्ष नेता और स्टार प्रचारक अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में राज्य में अगले कुछ दिनों तक कतार में रहेंगे।

इसी बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि ये विधानसभा चुनाव 2024 के लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जातिगत जनगणना का चुनाव लाभ से कोई संबंध नहीं है, चुनाव के कारण हमने ऐसा नहीं सोचा। यह एक सामान्य मुद्दा है जिसे एक राजनीतिक दल द्वारा उठाया जाना चाहिए, कांग्रेस को ऐसा लगता है और इसलिए हमने उस मुद्दे को उठाया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमारी नजर में कांग्रेस पांचों राज्यों में सरकार बनाने जा रही है। हम इस बारे में बहुत आश्वस्त हैं। यह 2024 के संसद चुनाव का सेमीफाइनल होने जा रहा है। इस चुनाव के नतीजे का असर संसद के चुनाव पर पड़ेगा। हमने लोगों के सामने पूरी तरह से दिखाया है कि गारंटी कैसे दी जा सकती है। उसी तरह इन पांच राज्यों में भी हम जनता से जो वादा कर रहे हैं, उसे बिना किसी देरी के लागू किया जाएगा।

हम पांच राज्यों में जीत के बारे में आश्वस्त: केसी

एमपी बन गया है चौपट प्रदेश : कमलनाथ

वहीं मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा कि हम बहुत अच्छी तरह से तैयार हैं। मुझे मध्य प्रदेश के मतदाताओं पर पूरा भरोसा है कि वे मध्य प्रदेश के भविष्य को सुरक्षित रखेंगे। आज मध्य प्रदेश चौपट प्रदेश बन गया है और भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। आप इसे (सत्ता विरोधी लहर) कुछ भी नाम दे सकते हैं, लेकिन अंत में हर वर्ग परेशान है। हमारे युवा, किसान, छोटे व्यापारी, सभी परेशान हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों से गरमाई सियासत की बाजार

- बिहार की नीतीश सरकार ने जारी किए आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े
- भाजपा ने घेरा, कहा- बेरोजगारी पर सरकार मौन क्यों
- बिहार के 94 लाख 42 हजार 786 परिवार हैं गरीब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार हमेशा से देश की राजनीति में एक अहम स्थान रखता है। बिहार ने अक्सर वो काम किए हैं, जो हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज हो गए हैं। अब एक बार फिर बिहार राज्य उसी रास्ते पर चल निकला है। बिहार की वर्तमान नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार ऐतिहासिक फैसले ले रहे हैं। जो बिहार के साथ-साथ पूरे देश की राजनीति की दिशा बदल सकते हैं। तो वहीं 2024 के लोकसभा चुनावों में भी बिहार सरकार के ये फैसले एक बड़ा खेला कर सकते हैं। दरअसल, ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि बीते 2 अक्टूबर को जब बिहार की नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए थे, तो बिहार समेत पूरे देश की राजनीति में हलचल पैदा हो गई थी। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद पूरे देश में बिहार की चर्चा होनी शुरू हो गई थी। बिहार में 2 अक्टूबर को जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट जारी की गई थी। 7 नवंबर को इसी जनगणना से जुड़े आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट जारी हुई। 18 साल में ज्यादा समय तक भारतीय जनता पार्टी और बाकी समय राष्ट्रीय जनता दल व कांग्रेस के साथ मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार की सरकार ने 7 नवंबर 2023 को इतिहास रच दिया। क्योंकि देश में पहली बार जाति आधारित जनगणना कराने के बाद जाति आधारित आर्थिक सर्वेक्षण भी पहली बार बिहार की नीतीश कुमार सरकार में ही पेश किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में यह रिपोर्ट पेश की है।

7 नवंबर मंगलवार के दिन बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन था। सत्र के शुरू होते ही सदन के पटल पर जाति आधारिक गणना की आर्थिक रिपोर्ट पेश कर दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि बिहार में पिछड़ा वर्ग में 33.16 प्रतिशत, सामान्य वर्ग में 25.09 प्रतिशत, अति पिछड़ा वर्ग में 33.58 प्रतिशत, अनुसूचित जाति वर्ग (एससी) में 42.93 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति वर्ग (एसटी) में 42.7 प्रतिशत गरीब परिवार हैं। वहीं सामान्य वर्ग में भूमिहार सबसे ज्यादा 25.32 प्रतिशत परिवार, ब्राह्मण में 25.3 प्रतिशत परिवार, राजपूत में 24.89 प्रतिशत परिवार, कायस्थ में 13.83 प्रतिशत परिवार, शेख 25.84 प्रतिशत परिवार, पठान (खान) 22.20 प्रतिशत परिवार और सैयद 17.61 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। बिहार में 34.13 प्रतिशत लोग गरीब हैं। यानी इनकी आय 6 हजार रुपये से कम है।

सामान्य वर्ग के परिवारों में एक चौथाई गरीब

सरकार की ओर से कोटिवार आर्थिक रूप से गरीब परिवारों की जो संख्या जारी की गई है, उसमें सामान्य वर्ग के लगभग एक चौथाई परिवार गरीब दिख रहे हैं। सामान्य वर्ग के परिवारों की कुल संख्या 42 लाख 28 हजार 282 है, जिनमें 25.09 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। यानी, 10 लाख 85 हजार 913 परिवार सामान्य वर्ग में होकर भी गरीब हैं। पांच प्रमुख कोटियों के अलावा, इस रिपोर्ट में अन्य प्रतिवेदित जातियों का एक कॉलम रखा गया है, जिनके परिवार की कुल संख्या 39 हजार 935 बताई गई है। इनमें 23.72 प्रतिशत, यानी 9474 परिवार गरीब हैं।

गरीबों को भरमाने की हो रही कोशिश

नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। भाजपा ने अतिपिछड़ों और महिलाओं के हित में काम किया। 1990 से 2005 में राजद और कांग्रेस की सरकार ने अतिपिछड़ों को आरक्षण क्यों नहीं दिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अति पिछड़ों के आंकड़ों के लेकर जो प्रश्न उठ रहा है बिहार सरकार को उसपर ध्यान देना चाहिए। क्यों गरीबों को भरमाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री जी आपने किसी अति पिछड़े समाज से आने वालों को मुख्यमंत्री क्यों नहीं घोषित किया। आखिर क्या बेचैनी है आपको? हमने तो अतिपिछड़े समाज से आनी वाली रेणु देवी को उपमुख्यमंत्री बनाया। हरि सहनी को नेता प्रतिपक्ष बनाया। घमंडिया गठबंधन अतिपिछड़ों के हित की बात नहीं करती है। उनके हित में क्या-क्या काम आज तक उन्होंने किया, इसे गिनाना चाहिए।

राज्य में सबसे अधिक अत्यंत पिछड़ी जातियों के परिवार

02 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन नीतीश सरकार ने जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी की थी। उसी रिपोर्ट से जुड़ा यह आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी किया गया है। जैसे उस रिपोर्ट में लगभग हर एक आदमी की गणना का दावा देखते हुए उसे जनगणना माना गया, उसी तरह इसे वास्तविक स्थिति ही माना जाना चाहिए। इस हिसाब से इस रिपोर्ट को देखें तो बिहार में सबसे ज्यादा 98 लाख 84 हजार 904 परिवार अत्यंत पिछड़ी जातियों के हैं, जिनमें 33.58 प्रतिशत यानी 33 लाख 19 हजार 509 परिवार गरीब हैं। परिवार की संख्या के हिसाब से दूसरे नंबर पर पिछड़ा वर्ग हैं। पिछड़ा वर्ग के राज्य में 74 लाख 73 हजार 529 परिवार हैं, जिनमें 33.16 प्रतिशत यानी 24 लाख 77 हजार 970 परिवार गरीब हैं। तीसरे नंबर पर अनुसूचित जातियों के परिवार की संख्या है। राज्य में अनुसूचित जाति के 54 लाख 72 हजार 024 परिवार हैं, जिनमें 42.93 प्रतिशत यानी 23 लाख 49 हजार 111 परिवार गरीब हैं।

भूमिहार सामान्य वर्ग में सबसे खराब हाल में

जाहिर है बिहार सरकार द्वारा जनगणना के आंकड़े जारी करने के बाद से ही पिछड़ी जातियों का आरक्षण बढ़ाने की मांग उठने लगी थी। लेकिन अब आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट ने सरकार को भी सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। क्योंकि इस रिपोर्ट में सामने आया है कि सामान्य वर्ग में हिंदू की चार और मुसलमानों की तीन जातियों में सबसे खराब हाल भूमिहारों का है। भूमिहारों में 27.58 प्रतिशत परिवार गरीब हैं। सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से गरीबों की श्रेणी में सबसे कम 13.83 प्रतिशत परिवार कायस्थ जाति के हैं। जाति आधारित गणना में सामान्य वर्ग के परिवारों की संख्या 43.28 लाख बताई गई है। इसमें एक चौथाई परिवार गरीब हैं। ब्राह्मण परिवारों की संख्या सबसे ज्यादा 10,76,563 बताई गई है और इसमें 25.32 प्रतिशत, यानी 2,72,576 गरीब परिवार हैं। सामान्य वर्ग में दूसरे नंबर पर मुसलमानों में शेख परिवारों की संख्या 10,38,888 बताई गई है और इसमें 25.84 प्रतिशत, यानी 2,68,398 गरीब परिवार हैं। तीसरे नंबर पर हिंदू में राजपूत परिवारों की संख्या 9,53,784 बताई गई है और इसमें 24.89 प्रतिशत, यानी 2,37,412 गरीब परिवार हैं।

पिछड़ा वर्ग जातियों के आंकड़े

इधर, भट्ट में 23.68 प्रतिशत परिवार, गोस्वामी में 30.68 प्रतिशत परिवार, कुशवाहा में 34.32 प्रतिशत परिवार, यादव 35.87 प्रतिशत परिवार, कुर्मी में 29.90 प्रतिशत परिवार, घटवार में 44.17 प्रतिशत परिवार, सोनार में 26.58 प्रतिशत परिवार, मल्लाह में 32.99 प्रतिशत परिवार, बनिया में 24.62 प्रतिशत परिवार, मल्लिक, मुस्लिम में 17.26 प्रतिशत परिवार, सूर्यापुरी मुस्लिम में 29.33 प्रतिशत, ईसाई (अन्य पिछड़ी जाति) में 15 .79 प्रतिशत परिवार, ईसाई धर्ममलम्बी हरिजन 29 .12 प्रतिशत परिवार और किन्नर में 25.73त्न परिवार गरीब हैं।

अत्यंत पिछड़ा वर्ग की जातियों के आंकड़े

तेली में 29.87 प्रतिशत परिवार, मल्लाह में 34. 56 फीसदी परिवार, कानू में 32.99 प्रतिशत परिवार, धानुक में 34.75 प्रतिशत परिवार, नोनिया में 35 .88 प्रतिशत परिवार, चंद्रवंशी में 34.08त्न परिवार, नाई में 38 .37 प्रतिशत परिवार, बढ़ई में 27 .71 प्रतिशत परिवार, प्रजापति में 33.39त्न परिवार, पाल में 33.20 प्रतिशत परिवार गरीब हैं।

प्रदेश की सिर्फ 7 प्रतिशत आबादी ह ग्रेजुएट

बिहार की 22.67 प्रतिशत आबादी के पास कक्षा 1 से 5 तक की शिक्षा है। 14.33 प्रतिशत आबादी के पास कक्षा 6 से 8 तक की शिक्षा है। 14.71त्न आबादी के पास और कक्षा 9 से 10 तक की शिक्षा है। वहीं 9.19 प्रतिशत आबादी के पास कक्षा 11 से 12 तक की शिक्षा है। वहीं 7 प्रतिशत से ज्यादा आबादी के पास ग्रेजुएट की शिक्षा है।

10 से 20 हजार मासिक आय वालों की 19 प्रतिशत आबादी है

वहीं सामान्य वर्ग में 10 से 20 हजार मासिक आय 19 प्रतिशत आबादी है। 20 से 50 हजार मासिक आय 16त्न आबादी है। 50 हजार से ज्यादा मासिक आय वाले 9 प्रतिशत हैं। छह हजार मासिक आय वाले 25प्रतिशत हैं।

प्रदेश के 34.13 प्रतिशत परिवार हैं गरीब

इस आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 2 करोड़ 76 लाख 68 हजार 930 परिवारों में से 34.13 प्रतिशत, यानी 94 लाख 42 हजार 786 परिवार गरीब हैं। इनमें मुख्य रूप से पांच कोटियां हैं, जिनमें अनुसूचित जातियों के गरीब परिवार सबसे ज्यादा 42.93 प्रतिशत हैं, जबकि सामान्य वर्ग के गरीब परिवार सबसे कम होकर भी 25.09 फीसदी हैं।

भाजपा ने नीतीश सरकार को घेरा

वहीं इस आर्थिक सर्वेक्षण के सामने आने के बाद भाजपा नीतीश सरकार पर हमलावर हो गई है। सत्र में चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी के विजय सिन्हा ने कई मुद्दो पर घेरने की कोशिश की। विजय सिन्हा ने कहा कि यह जाति आधारित सर्वे की नींव एनडीए सरकार में पड़ी थी। जो साथ बैठकर ढोल बजा रहे हैं। आज मुख्यमंत्री जी की बेचैनी भी दिख रही है। जातिय सर्वे के प्रस्ताव में भाजपा ने समर्थन किया। कैबिनेट में भी समर्थन किया। इसी सदन में भाजपा ने पूरी सहमती जताई थी। गरीबों के हित में हमेशा भाजपा साथ खड़ी है। हर तरह योजनाओं में भाजपा समर्थन करती है। यहां पर बड़े विद्वान बैठे हैं। बड़े अनुभवी लोग हैं। लेकिन, इन अनुभवी लोगों से मैं कहना चाहूंगा कि जिन लोगों ने भरमाने का, घुमाने का काम करते हैं वह ऐसा न करें। भाजपा ने कभी जातीय सर्वे का विरोध नहीं किया था लेकिन इस जातीय सर्वे की रिपोर्ट जब पेश की गई तो उसमें कई शिकायतें आई हैं। चाहे चंद्रवंशी हो या धानुक समाज हो सभी लोग शिकायत लेकर धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। किस जाति कितना बेरोजगार इसकी जानकारी बिहार सरकार ने नहीं दी। केवल किस जाति में कितने लोग रोजगार वाले हैं, इसकी ही जानकारी दी गई। बेरोजगार के मुद्दे पर सरकार मौन क्यों हैं। नीतीश सरकार इसकी जानकारी क्यों नहीं दे रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत जोड़ो यात्रा 2.0 से 2024 को मथेंगे राहुल

इन पांच राज्यों के चुनावों को अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इसलिए इन राज्यों के चुनाव काफी अहम हैं। भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस के लिए भी इन राज्यों के नतीजे काफी अहम होंगे। क्योंकि कांग्रेस 2024 के लिए काफी मेहनत कर रही है। इसीलिए इंडिया गठबंधन भी बनाया गया, जिसमें लगभग 26 विपक्षी दलों की हिस्सेदारी रही।

इस साल होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आगाज 7 नवंबर को मिजोरम और छत्तीसगढ़ की 20 सीटों पर चुनाव के साथ हो गया। हालांकि, अभी राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना बचे हुए हैं। जबकि छत्तीसगढ़ में भी अभी दूसरे चरण का चुनाव बाकी है। इन पांच राज्यों के चुनावों को अगले साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। कांग्रेस के लिए इन राज्यों के नतीजे काफी अहम होंगे। इसीलिए इंडिया गठबंधन भी बनाया गया, जिसमें लगभग 26 विपक्षी दलों की हिस्सेदारी रही। लेकिन वो कहते हैं न कि ज्यादा कसाईयों में भैंसा हलाल नहीं होता। कुछ ऐसा ही इंडिया गठबंधन के साथ भी होता दिख रहा है। क्योंकि गठबंधन के दल कांग्रेस से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह है कि कांग्रेस जानती है कि वो देश की राजनीति की अहम कड़ी है। खासकर जब लोकसभा चुनावों से पहले पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव है तो कांग्रेस अपना पूरा ध्यान इन विधानसभा चुनावों में लगा रही है। कांग्रेस की ये ही बात बाकी क्षेत्रीय दलों को नागवार गुजर रही है।अब लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस एक बार फिर अपनी भारत जोड़ो यात्रा को निकालने की योजना बना रही है। जाहिर है कि पिछले साल निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा के बाद से ही राहुल गांधी की छवि में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला था। उनकी लोकप्रियता चरम पर पहुंच गई थी। क्योंकि इस यात्रा के दौरान लोगों को राहुल का एक अलग रूप देखने को मिला। वो आम जनता से एक आम व्यक्ति की तरह मिले। दूसरी ओर इस यात्रा के जरिए राहुल ने भी लोगों को सिर्फ वोटर की दृष्टि से नहीं देखा। कांग्रेस को भी यात्रा से काफी लाभ मिला और पार्टी ने हिमाचल व कर्नाटक में अपनी सरकार बनाई। ये ही वजह रही कि यात्रा के समाप्त होने के बाद भी राहुल का अंदाज नहीं बदला। वो कभी किसी यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ बैठकर संवाद करते नजर आए, तो कभी ट्रक ड्राइवरों के साथ, कभी मैकेनिकों के साथ, कभी खेतों में धान रोपते तो कभी महिलाओं के साथ सिटी बस में सफर करते दिखे। ये सब भारत जोड़ो यात्रा से मिले उनके अनुभवों का ही परिणाम था। अब जब लोकसभा चुनावों में सिर्फ 4 से 5 महीनों का ही समय बाकी रह जाएगा। तब कांग्रेस और राहुल गांधी एक बार फिर भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने की सोच रहे हैं। ताकि इस बार निकाली गई इस भारत जोड़ो यात्रा और राहुल की लोकप्रियता का लाभ पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनावों में भी मिल सके। आगामी दिसंबर से फरवरी के बीच पार्टी योजना बना सकती है। राहुल के नेतृत्व में इस जन आंदोलन का मुख्य उद्देश्य केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा की विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ भारत को एकजुट करना है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आश्वासन-गारंटियों के बीच झूलता लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

आश्वासन और गारंटी में क्या अंतर होता है? भारतीय राजनीति के संदर्भ में इस प्रश्न का एक ही उत्तर है जब कोई राजनेता कुछ करने का आश्वासन दे अथवा किसी काम की गारंटी दे तो इसका अर्थ है कि या तो वह आपको मूर्ख समझता है या मूर्ख बना रहा है। जनता को भरमाने के लिए आश्वासनों के ढेर तो अक्सर लगाए जाते रहे हैं और अक्सर देश की जनता ने इन आश्वासनों को 'चुनावी जुमला' मात्र पाया है, पर अब हमारे चतुर राजनेताओं ने एक नया शब्द काम में लेना शुरू किया है। गारंटी। अब नेता 'गारंटी' दे रहे हैं कि जनता यदि उन्हें सत्ता सौंपती है तो वे उसके जीवन में फलां-फलां बदलाव ला देंगे। हमारे प्रधानमंत्री तो इस गारंटी के पूरा होने की गारंटी भी देते हैं।

कानून की भाषा में गारंटी का सामान्य अर्थ तो यही है कि यदि गारंटी पूरी न हुई तो गारंटी देने वाला कुछ हर्जाना भरेगा। लेकिन आज तक किसी नेता को ऐसा कोई हर्जाना भरते हुए देखा तो नहीं गया, हां, ऐसे आश्वासनों और गारंटियों से मतदाता छला अवश्य जाता रहा है। सच बात तो यह है कि नेता भी जानते हैं कि वह जनता को झांसा दे रहे हैं और जनता भी समझती है कि उसे भरमाने की कोशिश हो रही है। रूसी नेता निकिता खुश्चेव ने एक बार कहा था, 'सब राजनेता एक से होते हैं, वे वहां भी पुल बनाने का आश्वासन दे सकते हैं जहां नदी ही न हो!' रूसी नेता ने शायद यह बात अपने देश के संदर्भ में कही हो, पर यह बात हमारे देश पर भी लागू होती है। आश्वासन दावे, वादे, गारंटियां आज हमारी राजनीति का एक अविभाज्य हिस्सा बन गये हैंज और चुनावी मौसम में तो इन सब की भरमार हो जाती है। न कोई नेता यह बताता है कि उसके पिछले वादों का क्या हुआ और न मतदाता यह पूछने की जरूरत समझता है कि पिछले वादे पूरे क्यों नहीं हुए और उनके वादों-आश्वासनों पर क्यों विश्वास किया जाये। पर शायद भीतर ही भीतर राजनेता यह समझने लगे हैं कि मतदाता में उनके प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है। इसीलिए अब हमारे नेता आश्वासन नहीं देते, गारंटी देते हैं।

हजारों-लाखों की उपस्थिति वाली सभाओं में छाती ठोक कर हमारे नेता गारंटियों की बौछार कर रहे हैं। वे यह भी मान रहे हैं कि वह जितना

जोर से बोलेंगे जनता उनकी बात पर उतना ही ज्यादा विश्वास करेगी! जोर से बोलने की इस प्रतिस्पर्धा में कोई नेता पीछे नहीं रहना चाहता। वह यह भी मानकर चल रहा है कि जैसे पिछले आश्वासनों को आम जनता भूलती रही है, वैसे ही गारंटियों को भी भूल जायेगी। पर सवाल आश्वासनों और गारंटियों को याद रखने और भूलने का नहीं है, सवाल हमारी समूची राजनीति पर लगातार लग रहे सवालिया निशानों का है। हमारी समूची राजनीति आज कठघरे में है, हमसे जवाब मांग रही है कि हमने उसे यानी राजनीति को नेताओं के भरोसे ही क्यों छोड़ दिया है? क्यों हम ऐसे नेताओं की बात पर विश्वास कर लेते हैं जो या तो जनता को मूर्ख समझते हैं, या मूर्ख बनाते हैं? हर पार्टी का हर नेता सिद्धांतों और मूल्यों की दुहाई देता है, अपनी कमीज को दूसरे की कमीज से उजली बताने के दावे करता है। हकीकत यह है कि हमारी आज की राजनीति का सिद्धांतों-मूल्यों से कोई रिश्ता नहीं रह गया, और हकीकत यह भी है कि सारी कमीजें मैली हैं। हमारी राजनीति का यह हाल इसलिए हो गया है कि हमने इसे राजनेताओं के भरोसे छोड़ दिया उन राजनेताओं के जिन्हें इस बात की तनिक भी चिंता नहीं रहती कि कल उन्होंने क्या बोला था, और आज क्या कह रहे हैं! कल जिस बात को गलत ठहरा रहे थे, आज वही बात उन्हें सही लगने लगती है। सच तो यह है कि राजनीतिक नफे-नुकसान के इस घटिया खेल में हमारे राजनेताओं ने जनता को अपनी चाल का मोहरा मात्र समझ लिया है। यह सही है कि कभी-कभी 'यह जनता है, सब जानती है' का स्वर भी सुनाई पड़ जाता है, पर कुल मिलाकर स्थिति यही बनी हुई है कि राजनेता जनता को अपने खेल का खिलौना समझते हैं। अब समय आ गया है कि जनता राजनेताओं के हाथों का खिलौना बने रहने से इंकार करे।

देश के मतदाता को इस बात को समझना ही होगा कि जनतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति बहुत गंभीर मसला है, इसे नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जनता को समझना यह भी है कि उसे नेताओं की कथित गारंटियों के भरोसे नहीं, अपनी समझ के भरोसे अपने वोट का इस्तेमाल करना है। उसे देश के नेताओं से पूछना ही पड़ेगा कि उनकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है, और क्यों वह यह मानकर चल रहे हैं कि जनता को हमेशा मूर्ख बनाया जा सकता है। सवाल किसी एक पार्टी का नहीं है, सब पार्टियों का है।

सामूहिक जवाबदेही में प्रदूषण का समाधान

ज्ञानेन्द्र रावत

देश की राजधानी दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भीषण प्रदूषण की चपेट में है। विडंबना है कि ग्रैप यानी ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लागू होने के लगभग 30 दिन बाद भी प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा। ग्रैप के नियम टूट रहे हैं, धुआं या धूल उड़ाने, कूड़ा जलाने, निर्माणाधीन इमारतों पर प्रदूषण फैलाने पर 200 से लेकर 50 हजार रुपये के जुर्माने की घोषणा के बाद भी एजेंसियां गंभीर नहीं हैं। इसका नतीजा खांसी, जुकाम, अस्थमा, सांस लेने में परेशानी, गठिया, जोड़ों के दर्द के रोगियों की अस्पतालों में बाढ़ आ गई है। डाक्टरों की मानें तो प्रदूषण धीमा जहर है। एम्स के रूमैटोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. उमा कुमार एक शोध का संदर्भ देते हैं कि वातावरण में पीएम 2.5 का स्तर बढ़ने से शरीर में सूजन वाले मार्कर बढ़ जाते हैं। गठिया और आटोइम्यून बीमारी बढ़ जाती हैं। इसलिए गठिया के मरीजों को सतर्क रहना चाहिए। घर से बाहर निकलने पर मास्क का इस्तेमाल श्रेयस्कर है।

इंटर्नल मेडिसिन के स्पेशलिस्ट डॉ. सुरनजीत चटर्जी के मुताबिक प्रदूषण के साथ अब सुबह ठंड का प्रकोप बढ़ना शुरू हो गया है। ठंड के साथ प्रदूषण बढ़ना ज्यादा खतरनाक है। इससे दिल की बीमारियां ब? जाती हैं। असलियत यह है कि सामान्य मास्क से वातावरण में मौजूद सूक्ष्म कण नहीं रुक पाते। अधिक प्रदूषित जगह पर प्यूरीफायर लगा लेना उचित रहता है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के दावे कुछ भी किये जायें, हकीकत में जहरीली हवा में सांस लेना दिल्ली के लोगों की नियति बन चुकी है। मौसम विभाग और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानें तो फिलहाल प्रदूषण में राहत मिलने के आसार न के बराबर हैं। बोर्ड के अनुसार देश के 227 शहरों के एयर इंडेक्स का जायजा लें तो ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गुरुग्राम व नोएडा सबसे अधिक प्रदूषित हैं। इस दौरान वातावरण में पीएम-10 का स्तर 288 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रहा जो सामान्य से तीन गुणा अधिक है।

कहने को तो दिल्ली सरकार प्रदूषण रोकने की दिशा में ग्रीन एप के माध्यम से विशेष अभियान चलाने, ग्रैप के विभिन्न चरणों को लागू कर इसे कम करने, हरित क्षेत्र बढ़ाने को लाखों पेड़ लगाने, 1700 से ज्यादा कंपनियों में सीएनजी और पीएनजी का इस्तेमाल, दो कोयला आधारित संयंत्र बंद किये जाने और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाये जाने से रोकने के लिए केन्द्र के साथ लगातार बैठकें करने और पराली गलाने को मुफ्त बायोडीकंपोजर का छिड़काव करवाने का दावा कर रही है। लेकिन सवाल यह कि इन कोशिशों के बावजूद प्रदूषण से दिल्ली वालों को राहत क्यों नहीं मिल रही है। लाख पाबंदियों और उपायों के बावजूद प्रदूषण के मामले में दिल्ली शीर्ष पर बनी है। डब्ल्यूएचओ की मानें तो दिल्ली वायु गुणवत्ता की सुरक्षित सीमा से 20 गुणा तक अधिक प्रदूषित है। विशेषज्ञों की मानें तो दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण में पराली की अहम भूमिका है। बीते 48 घंटों में ही पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की सर्वाधिक घटनाएं हुई हैं। फिलहाल पंजाब-हरियाणा की ओर से दिल्ली में उत्तर पश्चिम दिशा से हवा चल रही है जो पराली जलाने का धुआं दिल्ली ला रही है।

अगले 15 दिनों तक इन राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं और बढ़ेंगी। नतीजन पराली का धुआं दिल्ली की ओर आयेगा और प्रदूषण बढ़ेगा। जबकि दिल्ली के उपराज्यपाल हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्रियों से पिछले दिनों पराली का प्रदूषण रोकने का अनुरोध भी कर चुके हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल 15 सितंबर से 11 अक्टूबर तक हरियाणा में पराली जलाने की 340 घटनाएं हुईं जबकि पिछले साल इस दौरान 83 मामले सामने आये थे। पंजाब में इस अवधि में 1063 घटनाएं हुईं जबकि पिछले साल इस अवधि में 763 घटनाएं हुईं। इसी वजह से दिल्ली सरकार केन्द्र से उत्तर भारत के मुख्यमंत्रियों और पर्यावरण मंत्रियों की बैठक बुलाने की मांग कर रही है। आम आदमी पार्टी की मांग है कि बैठक में उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों व पर्यावरण मंत्रियों को बताया जाये कि उनके प्रदेशों से किन-किन कारणों से दिल्ली में प्रदूषण फैल रहा है।

यदि एनसीआर के सभी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आ जाये तो दिल्ली में इसका सकारात्मक प्रभाव होगा। यह तभी संभव है जब संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्री किसानों के साथ बैठक कर बातचीत के जरिये पराली जलाने की घटनाएं रोकने के बाबत प्रयास करें। यह भी सच है कि दिल्ली के चारों तरफ 300 किलोमीटर के दायरे में प्रदूषण से हालात बदतर हैं। दिल्ली में 70 फीसदी प्रदूषण आसपास के क्षेत्रों से आ रहा है। एनसीआर में करीब दो हजार ईंट भट्ठे पुरानी तकनीक से और तीन हजार उद्योग कच्चे ईंधन से चल रहे हैं। यहां इस सच्चाई को झुठला नहीं सकते कि सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी ने भी बीते 10 सालों में बार-बार कहा कि भट्ठा संचालकों के साथ बैठक कर नयी तकनीक से संचालन के लिए प्रोत्साहित करें लेकिन आज तक किसी ने इस बाबत पहल नहीं की। दिल्ली तभी प्रदूषण मुक्त हो सकती है जब नेतृत्व की इच्छाशक्ति हो और संबंधित सरकारें वायु प्रदूषण के नुकसान को समझें और उसके निराकरण के लिए मिलकर ठोस-कारगर उपाय हेतु प्रयास करें। नागरिकों को भी जिम्मेदारी का अहसास हो।

पीले दांतों को मोती सा चमकाएंगे ये नुस्खे

लोग अपने स्वास्थ्य पर तो पूरा ध्यान देते हैं लेकिन जब बात ओरल हाइजीन की होती है, तो इसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। दांतों की सही देखभाल नहीं करने पर आपको मुंह से जुड़ी कई समस्याएं जैसे दांतों में पीलापन, मुंह से स्मेल आना, दांतों की सड़न यानी कैविटी, दांतों का काला कीड़ा, पायरिया, दांत-मसूड़ों से खून आना, दांतों के ऊपर और जड़ों में टार्टर जमना हो सकती हैं। आप जो भी कुछ खाते-पीते हैं, उनके बचे अवशेष दांतों के बीच या जड़ों में चिपक जाते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़कर टार्टर या प्लैक का रूप ले लेते हैं। जब दांतों की बेहतर तरीके से देखभाल नहीं की जाती, तो यह पीली गंदगी दांत और मसूड़ों को कमजोर और खोखला बनाना शुरू कर देती है। जाहिर है दांतों से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या के इलाज में आपके हजारों रुपये खर्च हो सकते हैं।

डेंटल केयर रूटीन फॉलो करें

अगर आप अपने दांतों को कैविटी से बचाना चाहते हैं, तो सुबह और बिस्तर पर जाने से पहले दांतों को अच्छी तरह साफ करें। ब्रश से दांतों के कोने-कोने की सफाई करें। इसके अलावा अपने मसूड़ों के नीचे से बचे हुए भोजन को बाहर निकालने के लिए फ्लॉस का उपयोग करें। माउथवॉश का प्रयोग करें। यह आपके मुंह में बचे हुए बैक्टीरिया से छुटकारा पाने में मदद करता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपने दांतों को कितनी अच्छी तरह से ब्रश करते हैं या फ्लॉस करते हैं। कई बार मुंह में गंदगी जमा रह जाती है। प्लैक प्लाक और टार्टर को हटाने के लिए डेंटिस्ट की मदद लें। साल में कम से कम एक बार अपॉइंटमेंट बुक करें। ध्यान रहे कि कैविटी एक गंभीर समस्या है और इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें।

शुगर फ्री गम चबाएं

शुगर फ्री गम चबाने से कैविटी को रोकने में मदद मिल सकती है। इससे मुंह में लार भर जाती है जिससे मुंह और दांतों में चिपकी खाने के कण साफ हो सकते हैं और एसिड बेअसर हो सकता है। इतना ही नहीं, यह दांतों के इनेमल को मजबूत कर सकता है और बीमारियों से लड़ सकता है। लार आपके संपूर्ण मौखिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लार आपके मुंह को सही पीएच स्तर पर रखता है। शुष्क मुंह के कारण मुंह के श्वांस स्तर में असंतुलन हो जाता है।

खाने की आदतें बदलें

खाने में बदलाव करके दांतों की सड़न को रोका जा सकता है। चीनी से भरपूर चीजों के सेवन से दांतों में सड़न होती है। खान-पान की आदतें बदल लें तो आपको कभी भी ऐसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। अधिक कैल्शियम लें। यह आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है।

सप्लीमेंट और विटामिन जरूरी

दांतों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए विटामिन जरूरी हैं। साबुत अनाज वाले खाद्य पदार्थ खाएं। इनमें विटामिन बी और आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इसके अलावा, साबुत अनाज में मैग्नीशियम होता है, एक ऐसा मिनरल है, जो कैल्शियम को अवशोषित करने और आपके दांतों को मजबूत करने में मदद करता है। यदि आप अपने भोजन से अधिक विटामिन डी प्राप्त करना चाहते हैं तो समुद्री भोजन अधिक बार खाएं। सैल्मन, हेरिंग, टूना और मैकेरल विटामिन डी के बेहतरीन स्रोत हैं।

रोजाना करें टूथब्रश

दांतों को साफ करने के लिए हमेशा एक छोटा या मीडियम ब्रश चुनें। ब्रश के बाल आपकी दाढ़ों की दरारों तक पहुंच सकें, जहां खाने की चीजें फंस जाती है। इस्तेमाल करने के बाद ब्रश को पानी से धो लें और इसे हवा में सूखने के लिए छोड़ दें। ब्रश को बाथरूम में न रखें क्योंकि मलीय बैक्टीरिया उस पर जमा हो सकते हैं। अपने टूथब्रश को नियमित रूप से बदलें क्योंकि समय और उपयोग के साथ इसके ब्रिसल्स खराब हो जाते हैं।

हंसना मना है

लड़की - अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की - पर क्यों? लड़का- कभी कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है !

लड़की- परसों मैं तुम्हें राखी बांधने आयी थी, पर तुमने नहीं बंधवाई क्यूं? लड़का- अगर में तेरे लिए मंगलसूत्र लाऊं तो क्या बंधवायेगी, बात करती है।

बेटा- मुझे शादी नहीं करनी! मुझे सभी औरतों से डर लगता है! पिता- कर ले बेटा! फिर एक ही औरत से डर लगेगा, बाकी सब अच्छी लगेंगी।

बंता- तेरे घर से हमेशा हसने कि आवाज़ आती है, इतनी खुशी का राज क्या है? संता - मेरी बीवी मुझे जूते मारती है, लग जाये तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं !

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट, क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

कहानी | मानव धर्म ही सर्वोपरि

एक बार की बात है एक विदेशी को राजा ने अपराधी समझ लिया। और उसके लिए राजा ने उसे फांसी का हुक्म सुनाया तो उसने अपनी भाषा में अपशब्द कहते हुए राजा के विनाश की कामना की। राजा ने अपने मंत्री से, जो कई भाषाओं का जानकार था, पूछा- यह क्या कह रहा है? मंत्री ने विदेशी की गालियां सुन ली थीं, किंतु उसने कहा- महाराज! यह आपको दुआएं देते हुए कह रहा है- आप हजार साल तक जिएं। राजा यह सुनकर बहुत खुश हुआ, लेकिन एक अन्य मंत्री ने जो पहले मंत्री से ईर्ष्या रखता था, आपत्ति उठाई- महाराज! यह आपको दुआ नहीं गालियां दे रहा है। वह दूसरा मंत्री भी बहुभाषी था। उसने पहले मंत्री की निंदा करते हुए कहा- ये मंत्री जिन्हें आप अपना विश्वासपात्र समझते हैं, असत्य बोल रहे हैं। राजा ने पहले मंत्री से बात कर सत्यता जाननी चाही, तो वह बोला- हां महाराज! यह सत्य है कि इस अपराधी ने आपको गालियां दीं और मैंने आपसे असत्य कहा। पहले मंत्री की बात सुनकर राजा ने कहा- तुमने इसे बचाने की भावना से अपने राजा से झूठ बोला। मानव धर्म को सर्वोपरि मानकर तुमने राजधर्म को पीछे रखा। मैं तुमसे बेहद खुश हुआ। फिर राजा ने विदेशी और दूसरे मंत्री की ओर देखकर कहा- मैं तुम्हें मुक्त करता हूं। क्योंकि निर्दोष होने के कारण ही तुम्हें इतना क्रोध आया कि तुमने राजा को गाली दी और मंत्री महोदय तुमने सच इसलिए कहा- क्योंकि तुम पहले मंत्री से ईर्ष्या रखते हो। ऐसे लोग मेरे राज्य में रहने योग्य नहीं। तुम इस राज्य से चले जाओ। वस्तुतः दूसरों की निंदा करने की प्रवृत्ति से अन्य की हानि होने के साथ-साथ स्वयं को भी नुकसान ही होता है। और इससे मानव धर्म भी पीछे रह जाता है।

7 अंतर खोजें

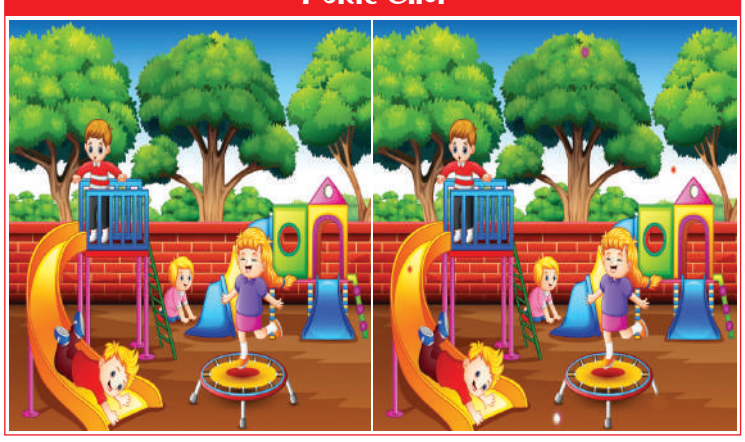

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको घर पर आराम करना चाहिए। परिवार के लोगों से बात कीजिए। किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में सफल हो सकते हैं। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

वृषभ

आज का दिन आपका परोपकार के कार्यों में व्यतीत होगा। आज आप सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और उसमें कुछ धन भी खर्च करेंगे।

मिथुन

आज आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। खुद को ताजगी से भरा महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद के लिए आप हर संभव कोशिश करेंगे।

कर्क

आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। निजी संबंधों में आनंद व व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ की स्थिति बनेगी।

सिंह

आज आपके धन-धान्य में वृद्धि का दिन रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य में कुछ गिरावट देखने को मिल रही है। संतान के भविष्य से संबंधित कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

कन्या

आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। अगर आप नौकरीपेशा वाले हैं तो जॉब चेंज करने का मन बना सकते हैं।

तुला

आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी। हितशत्रुओं पर विजय प्राप्त हो सकती है। सम्मान प्राप्त होगा। मनोबल मजबूत रहेगा। पिता का महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

आज आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए पुरजोर प्रयास करेंगे, वैसा ही फल अवश्य मिलेगा, लेकिन आज आपको अपने कुछ शत्रुओं से सावधान रहना होगा।

धनु

आज किसी नए काम की शुरूआत करने पर परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश होंगे। किसी रुके हुए काम में सहायता मिलने से आपको राहत महसूस होगी।

मकर

राजनीति से सम्बन्ध जातक लाभान्वित होंगे। जॉब में उन्नति होगी। व्यापारियों को भी आज अच्छा आर्थिक फायदा हो सकता है। आपके उत्साह में वृद्धि होगी।

कुम्भ

आज के दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज संतान के भविष्य से संबंधित आपको कोई शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है, जिससे मनोबल भी बढ़ेगा।

मीन

आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। छात्रों को शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

महिलाएं भी हो सकती हैं स्त्रीद्वेषी

एक महिला के पूछे गये सवाल पर ऋचा चड्ढा ने दिया जवाब

ऋचा चड्ढा और अली फजल बॉलीवुड के चर्चित कपल्स में शुमार हैं। अक्सर दोनों कपल गोल्स पूरे करते नजर आते हैं। करियर और फिल्मों से अलग ऋचा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें वह एक महिला की आलोचना करती नजर आई हैं। दरअसल, महिला ने अभिनेत्री से कुछ ऐसा सवाल कर डाला, जिसके बाद ऋचा ने यह पोस्ट शेयर किया है। इतना ही नहीं, ऋचा ने यह दावा भी किया है कि सिर्फ पुरुष ही नहीं, बल्कि कोई महिला भी स्त्रीद्वेषी हो सकती है। ऋचा चड्ढा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, हाल ही में एक पार्टी में नशे में धुत एक महिला ने मुझसे पूछा कि क्या मैं इसलिए असुरक्षित रहती हूं, क्योंकि मेरे पति अच्छे दिखते हैं....? सबसे आखिरी फोटो में आप देख सकते हैं वह (अली फजल) मेरा किस तरह ख्याल रखते हैं। लेकिन, उस महिला की बात ने मुझे यह तो याद दिला दिया कि महिलाएं भी स्त्रीद्वेषी हो सकती हैं। खैर उनका शुक्रिया।

बता दें कि ऋचा चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से कुछ फोटोज में वह अली फजल के साथ दिख रही हैं। सबसे आखिरी वाली जिस फोटो का जिक्र ऋचा ने किया है, उसमें अभिनेत्री आगे की तरफ बढ़ती दिख रही हैं, जबकि अली फजल उनका हाथ थामे नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में ऋचा का लुक काफी लाजवाब लग रहा है। वह मल्टीकलर की स्कर्ट और टॉप में दिख रही हैं। ऋचा चड्ढा के इस पोस्ट पर यूजर्स की काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। नेटिजन्स अभिनेत्री की बातों से सहमति जताते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आखिरी तस्वीर वाकई लाजवाब है। एक अन्य यूजर ने लिखा, आप दोनों ही खूबसूरत हैं। प्यारी जोड़ी है आपकी, फिर असुरक्षा कैसी! एक यूजर ने लिखा, खूबसूरती आत्मा, दिल और विचारधारा में होती है। लुक्स कोई मायने नहीं रखता।

खुद के घर शीशे के हों तो दूसरों पर पत्थर नहीं मारते : मनस्वी

बॉलीवुड मसाला

बिग बॉस सीजन 17 में शुरुआत से ही भरपूर ड्रामा दर्शकों को देखने को मिल रहा है। सलमान खान के शो में तीसरे हफ्ते में ही दो वाइल्ड कार्ड एंट्री हो गयी थी। इंडियन मॉडल मनस्वी ममगई और समर्थ जुरेल वाइल्ड कार्ड एंट्री के तौर आए। हालांकि, 1 हफ्ते के बाद ही मनस्वी का सफर बिग बॉस 17 से खत्म हो गया। वह सोनिया के बाद एविक्ट होने वाली दूसरी कंटेस्टेंट बनी। एक खास बातचीत के दौरान उन्होंने घर में अपने अनुभव के बारे में तो बताया ही, लेकिन इसी के साथ उत्तराखंड के रहने वाले अनुराग डोभाल नागरिकता को लेकर मनस्वी ने ऐसी बात कही , जिसे सुनकर फैंस भी हैरान रह जाएंगे। बातचीत करते हुए मनस्वी ने अनुराग पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने कहा, ये बहुत ही निराशाजनक है। कहते हैं न आस्तीन का सांप, वो हैं अनुराग। जब मैं शो में एंटर हुई थी, तभी वह दिखना शुरू हुए थे, क्योंकि उससे पहले उन्हें कोई नोटिस भी नहीं कर रहा था। वह सभी के साथ दोस्ती करने में व्यस्त थे। उन्होंने मेरा दोस्त बनने की कोशिश कि और उसके बाद मुझे धोखा दिया। उसके बाद खानजादी, मनारा, ईशा और कई लोगों को अपना दोस्त बताने लगे। उन्होंने मेरे साथ जो किया, उन्हें वही मिला। उन्होंने मुझे ये वादा किया था कि वह मेरा समर्थन करेंगे, क्योंकि हम दोनों उत्तराखंड से है। हमारा उस शहर को जुड़ा काफी डिस्कशन हुआ। मुझे लगता है वह मेरे से इनसिक्योर हो गए कि कहीं उनके वोट्स बंट न जाए। उन्हें ये एहसास हो गया था कि मैं उनसे ज्यादा मजबूत खिलाड़ी हूं। जब मनस्वी बिग बॉस 17 के घर में थीं, तो उस दौरान अनुराग ने उन पर ये आरोप लगाया था कि वह उत्तराखंड में नहीं रहती, बल्कि लॉस एंजेलिस की हैं।

बॉलीवुड रिकॉर्ड

टाइगर 3 बनी स्पाई यूनिवर्स की सबसे ज्यादा एक्शन सीन वाली फिल्म

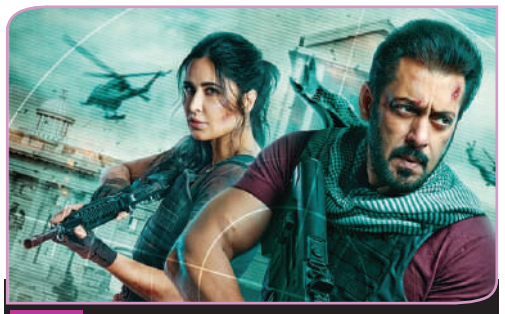

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान खान हाल ही में, अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से ही फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर से लेकर गाने तक को फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। अब हाल ही में, रिलीज से पहले ही टाइगर 3 ने अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज किया है। गौरतलब है कि अपनी रिलीज से पहले ही टाइगर 3 ने वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म में सबसे अधिक एक्शन सीन का दावा करते हुए पहले ही रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। मनीष शर्मा के निर्देशन में बहुप्रतीक्षित टाइगर 3 फिल्म में 12 एक्शन सेट-पीस का दावा करती है, जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में सबसे अधिक संख्या का रिकॉर्ड बनाती है। ट्रेलर ने पहले से ही इन एड्रेनालाइन-पंपिंग सीन की एक आकर्षक झलक पेश की है, जिसमें तीव्र हाथ से हाथ की लड़ाई, गोलियों की बौछार, गाड़ियों में विस्फोट करना शामिल है। मनीष शर्मा ने इस बात पर जोर डाला कि आगामी फिल्म में एक्शन अपने पिछली फ्रेंचाइजी से कैसे अलग है। सलमान खान और कैटरीना कैफ को सबसे बड़ी एक्शन जोड़ी बताते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्शन केवल दिखावे के लिए नहीं है। यह उनकी कहानी का एक अंग है। मनीष ने कहा कि किरदारों के बीच संघर्ष का रिश्ता है। फिल्म बड़ी है इसलिए हम बड़े पैमाने पर ही एक्शन सीन को फिल्म में लाना चाहते हैं। मनीष ने जोर देकर कहा कि फिल्म के एक्शन सीक्वेंस हमारे समय की हॉलीवुड फिल्मों में देखे गए एक्शन दृश्यों की बराबरी करती हैं। बता दें कि दीवाली पर रिलीज होने वाली सलमान खान की एक्शन एंटरटेनर फिल्म टाइगर 3 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी मिल गई है। बोर्ड से इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। सीबीएफसी ने जीरो कट के साथ मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को मंजूरी दे दी है।

अजब-गजब | **90 किलो का घड़ियाल मारकर खा गई लड़की!**

दिखने में है बेहद नाजुक, काम कसाइयों से भी बदतर...

आप जब भी चीन के बारे में सोचते हैं, आपके दिमाग में अगर टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग आती है, तो उससे पहले कीड़े-मकोड़े खाते हुए लोग आ जाते होंगे। चीन में लोगों को खाने के लिए ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं होती, वो न्यूट्रिशन के नाम पर कुछ भी पकाकर खा लेते हैं। कई बार तो वे कच्चे ही कीड़े-मकोड़ों को चबा जाते हैं। एक ऐसी ही वहशी लड़की खुद को फूड ब्लॉगर बताने वाली ये लड़की दिखने में जितनी नाजुक और मासूम लग रही है, उसका काम इससे कहीं ज्यादा भयानक और खतरनाक है। उसने अपने वज़न से करीब दोगुने वज़न वाले खूंखार जानवर को मारा और खा गई। उसका ये वीडियो पूरे चीन में विवाद की वजह बन चुका है क्योंकि यहां पर मगरमच्छ और घड़ियाल कोई बिना लाइसेंस के यूं ही पकाकर नहीं खा सकता। चीन की रहने वाली शू नियांग शाओ है नाम की लड़की खाने-पीने से जुड़े हुए वीडियो बनाती है। उसके चीन के टिकटॉक वर्जन Douyin पर 3.15 मिलियन फॉलोअर्स भी हैं, जिन्हें उसने अपनी एक हरकत से दंग कर दिया। उसने अपने एक शॉर्ट वीडियो में एक घड़ियाल को घर पर ही मारकर पकाने

और खाने की रेसिपी बताई। वो दंग करने वाली इस फुटेज में पहले 90 किलो के घड़ियाल को ज़िंदा ही साफ करती है। उसे बड़े ब्रश से धोने के बाद वो उसे मारती है और फिर स्किन उतारकर इसका मीट निकालती है। लड़की फिर घड़ियाल के मीट को अलग-अलग तरीके से पकाकर खाती भी है। इस वीडियो ने चीन में भी तहलका मचा रखा है और लड़की को सोशल मीडिया पर बैन करने की मांग उठने लगी है। लड़की इस पर सफाई देते हुए कह रही है कि ये एक कृत्रिम तरीके से पाला गया घड़ियाल था, जिसे चमड़े के प्रोडक्ट के लिए ब्रीड किया गया। आखिरकार उसकी जान जानी ही थी, ऐसे में उसने वीडियो के लिए इसे इस्तेमाल किया। एनिमल क्रूएलिटी के मामले में इस ब्लॉगर की आलोचना तो हो रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

भारतीय सेना के लिए 1321 दिन का उपवास, 22 साल से बुजुर्ग कर रहे दान

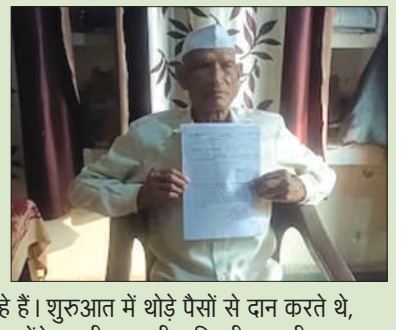

यूपी के फिरोजाबाद में रहने वाले 72 साल के बुजुर्ग में देशभक्ति का ऐसा जुनून है कि हर कोई देखकर उन्हें सलाम करेगा। दरअसल उन्होंने भारतीय सेना के जवानों लिए उपवास रखकर दान करने का संकल्प लिया है। बुजुर्ग सत्यनारायण राजमल ऐसा पिछले 22 साल से करते आ रहे हैं। शुरुआत में थोड़े पैसों से दान करते थे, लेकिन जैसे-जैसे महंगाई बढ़ी उन्होंने अपनी दान की राशि भी बढ़ा दी। आज वह हर साल सेना के लिए मदद कर रहे हैं। फिरोजाबाद के टूंडला तहसील क्षेत्र के राजमल गांव में रहने वाले 72 वर्षीय सत्यनारायण राजमल ने कहा कि 50 वर्ष की आयु के बाद जीवन वानप्रस्थ आश्रम में बदल जाता है। इसीलिए उन्होंने भी अपने जीवन के दिनों में से कुछ धनराशि को देश की सेवा करने वाले सैनिकों के लिए दान के रूप में देने का संकल्प लिया है। वह महापुरुषों की जयंतियों जैसे राम कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरु गोविंद सिंह के अलावा गुरु पूर्णिमा पर उपवास रखते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में पैसा दान करते हैं।

सत्यनारायण राजमल ने बताया कि ऐसा वह सन 2001 से कर रहे हैं। पहले 3000 रुपये तक दान में देते थे, लेकिन अब महंगाई को देखते हुए उन्होंने दान की राशि भी बढ़ाकर 5000 रुपये कर दी है। हाल ही में उन्होंने देशबंधु चितरंजन दास की जयंती पर 5 हजार रुपये का ड्राफ्ट उप जिलाधिकारी टूंडला को दान के रूप में दिया है। वहीं, वह अब तक 81 हजार रुपये सेना के जवानों के लिए दान में दे चुके हैं। देशभक्ति का जज्बा रखने वाले सत्यनारायण राजमल ने कहा के वह हर साल सेवा के लिए रुपये दान करते हैं। इन पैसों को वह 60 दिन उपवास रखकर एकत्रित करते हैं और उसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में जमा कर देते हैं। वहीं, वह अब तक 1321 दिन उपवास (व्रत) रख चुके हैं।

देश की संपत्ति को उद्योगपतियों में बांट रही है भाजपा सरकार: प्रियंका

छत्तीसगढ़ में बीजेपी पर जमकर बरसीं कांग्रेस महासचिव, बोलीं- प्रदेश में फिर बन रही है कांग्रेस की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बालोद, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में कल यानी कि 7 नवंबर को एक एक चरण का मतदान हो चुका है। लेकिन अभी दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ में मतदान होना बाकी है। ऐसे में प्रदेश का सियासी पारा हाई है और नेताओं का राज्य का चक्कर लगाना भी लगातार जारी है। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्रदेश के बालोद जिले में पहुंचीं। यहां एक चुनावी जनसभा तो संबोधित करते हुए प्रियंका ने छत्तीसगढ़ के लोगों को यकीन दिलाया कि इस बार भी राज्य में कांग्रेस की सरकार वापस आ रही है। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव ने विरोधी पार्टी बीजेपी पर जमकर निशाना साधा।

अपने संबोधन की शुरुआत में प्रियंका गांधी ने कहा कि बालोद का लोहा पूरे भारत को मजबूत करता है। मां कांकेश्वरी की धरती को मैं प्रणाम करती हूं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी यहां आकर झूठ बोलते हैं कि छत्तीसगढ़ में आकर धान के पैसे वो देते हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में उनके संसदीय क्षेत्र में किसान ?1200 में धान बेचने को मजबूर है। मोदी जी के पास किसानों के कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन खुद के लिए हवाई जहाज खरीदने के लिए पैसे हैं। प्रियंका गांधी ने जातिगत जनगणना पर हमला करते हुए कहा कि, मोदी जी खुद को ओबीसी बताते हैं, लेकिन जातिगत जनगणना से भाग रहे हैं। बीजेपी बस केवल खोखले दावे करती है।

देश का गरीब किसान भूखा है

प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगे कहा कि भाजपा देश की संपत्ति चंद उद्योगपतियों को दे रही है। आज देश के हवाई अड्डे और बंदरगाह अडानी को दिए जा रहे हैं। ये अडानी कौन हैं? अडानी आपके लिए क्या बनाता है? क्या कोई मुझे बता सकता है कि अडानी कितनी नौकरियां पैदा करता है? प्रियंका गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकारें बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए बन रही हैं और उन्हीं के लिए चल रही हैं। भाजपा की सरकार गरीब किसानों की संपत्ति को उद्योगपतियों को सौंप रही हैं। देश का गरीब किसान भूखा है, वो एक दिन में महज 27 रुपये ही कमा पाता है। सरकार ऐसे किसानों को समृद्ध बनाने के बजाए एक दिन में 1600 करोड़ रुपये कमाने वाले अडानी को और अमीर बना रही है। वो भूखे किसानों की संपत्ति 1600 करोड़ रुपये प्रतिदिन कमाने वाले अडानी को दे रही है।

कांग्रेस ने हमेशा जनता को मजबूत करने की बात की

प्रियंका गांधी ने लोगों को विश्वास दिलाया कि इस बार भी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार वापसी कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जनता को मजबूत करने की बात की, आपके अधिकारों को मजबूत किया है। मनरेगा, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार ये सब कांग्रेस की सरकार ने दिया है। गांधी जी कहते थे जब तक गांव विकास करेगा तो देश विकास करेगा, इसी रास्ते पर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार चल रही है।'

सुरजेवाला के खिलाफ कोर्ट ने फिर जारी किया गैरजमानती वारंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। कांग्रेस नेता व प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी हो गया है। कांग्रेस नेता पर ये वारंट आयुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने के लंबित मुकदमे में हाजिर न होने पर विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम द्वारा जारी किया गया है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर को सौंपी गई जिम्मेदारी

रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ पिछले कई तिथियों से गैर जमानती वारंट किया जा रहा है। अदालत ने इस बार सख्ती दिखाते हुए गैर जमानती की तामिला सुनिश्चित कराने के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर को जिम्मेदारी सौंपी है। अदालत ने कहा है कि वारंट की तामिला कराकर रणदीप सिंह सुरजेवाला की 21 नवंबर को उपस्थिति सुनिश्चित कराएं और इसमें कोई त्रुटि न हो।

साल 2000 का है मामला

बहुचर्चित संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं को आरोपित बनाए जाने के विरोध में 21 अगस्त 2000 को युवक कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला, कांग्रेस नेता एसपी गोस्वामी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आयुक्त कार्यालय परिसर में नारेबाजी और हंगामा करने के साथ तोड़फोड़ की थी। इस मामले में कैंट पुलिस ने रणदीप सिंह सुरजेवाला, एसपी गोस्वामी समेत अन्य को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा अन्य के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया।

संतों पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चार नवंबर को दिया था बयान

असम। भाजपा शासित असम राज्य में एक कांग्रेस विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया है। कांग्रेस विधायक आफताबुद्दीन मोल्ला को पुजारियों, नामघरिया और संतों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। असम पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गिरफ्तार कांग्रेस नेता की पहचान जलेश्वर विधानसभा क्षेत्र (असम) से मौजूदा विधायक आफताबुद्दीन मोल्ला के रूप में की गई हैं।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने मोल्ला की गिरफ्तारी पर बयान देते हुए बताया कि भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत राजधानी दिसपुर की पुलिस ने मामला दर्ज किया है। डीजीपी जीपी सिंह ने बताया कि दिसपुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 295(ए)/153ए(1)(बी)/505(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

सार्वजनिक कार्यक्रम में की थी टिप्पणी

मालूम हो कि असम के धेमाजी जिले में एक नामघरिया गांव है। यहां रहने वाले लोगों को नामघरिया कहा जाता है। असम पुलिस ने बताया कि अपमानजनक टिप्पणी का मामला बीते चार नवंबर का है। कथित तौर पर कांग्रेस विधायक ने सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पुजारी, नामघरिया और संतों को लेकर विवादित बयान दिया। रिपोर्ट के अनुसार मोल्ला बीते चार नवंबर को गोलपारा जिले के दौरे पर थे। यहां एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पुजारियों, नामघरिया और संतों से जुड़े भड़काऊ बयान दिए। शिकायत के बाद असम पुलिस ने मामला दर्ज कर आफताबुद्दीन मोल्ला को गिरफ्तार किया। पुलिस की तरफ से गिरफ्तार नेता की पहचान बाद में सार्वजनिक की गई।

कांग्रेस है धोखेबाज पार्टी: शिवराज

बोले- धनतेरस से पहले आ जाएंगे बहनों के खाते में पैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेगमगंज, एमपी। चुनावी माहौल में मध्य प्रदेश में सियासी हलचल काफी तेज है। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा लगातार जनसभाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन जिले के बेगमगंज में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान सीएम शिवराज ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए विपक्षी दल कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों 10 तारीख को इस बार धनतेरस है, इसलिए मैंने तय किया कि धनतेरस से पहले ही तुम्हारे खाते में खुशियों की किश्त आ जाए। सात तारीख से ही तुम्हारे खाते में पैसा आना शुरु हो जाएगा।

दो पाटों के बीच में पिस रहे हैं कांग्रेसी

शिवराज ने आगे कहा कि एक कमलनाथ का पाट और दूसरा दिग्विजय सिंह का पाट, इन दोनों पाटों के बीच में जनता पिस रही है और कांग्रेसी पिस रहे हैं। कमलनाथ ने सवा साल में वल्लभ भवन को भ्रष्टाचार और दलालों का अड्डा बना दिया था। जब कमलनाथ मुख्यमंत्री थे तो हमेशा पैसों का रोना रोते थे। कहते थे मामा खजाना खाली कर गया। लेकिन भाइयो- बहनों जनता की सेवा के लिए मेरे पास पैसों की कोई कमी नहीं है।

कांग्रेस कपड़ा फाड़ पार्टी

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये कमलनाथ, नकुलनाथ कह रहे थे कि बहनों के खाते में पैसा नहीं आएगा। केवल चुनाव तक ही आएगा। ये कोई धोखेबाज कांग्रेस थोड़ी है, यह तो शिवराज सिंह चौहान का वचन है। दुनिया की कोई ताकत लाड़ली बहनों का पैसा बंद नहीं कर सकती। सीएम ने कहा कि लाड़ली बहना योजना का पैसा अभी भी आ रहा है, धनतेरस के पहले भी आएगा। धनतेरस पर खूब खरीददारी करो, दीपावली मनाओ और भाई दूज मनाओ। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस जनकल्याणकारी योजना बंद करने वाली पार्टी है और अब तो कांग्रेस कपड़ा फाड़ पार्टी हो गई है। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ एक दूसरे के कपड़े फड़वा रहे हैं। कांग्रेस ऐसी चक्की हो गई है कि जिसके दो पाट हो गए हैं।

मैक्सवेल के कमाल से पस्त हुआ अफगानिस्तान

ऑस्ट्रेलिया ने अफगान को तीन विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आईसीसी क्रिकेट विश्वकप में मंगलवार 7 नवंबर को मुबंई के वानखेड़े स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। ये ऐसा मुकाबला रहा जिसे कई सालों तक क्रिकेट के इतिहास में याद रखा जाएगा। दरअसल, इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ने एक यादगार पारी खेली, जिसकी बदौलत कंगारू टीम ने इस रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली।

अफगानिस्तान द्वारा 292 रनों के दिए गए लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया एक समय सिर्फ 92 रनों पर 7 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। यहां से अफगानिस्तान इतिहास रचने और ऑस्ट्रेलिया पर एक बड़ी जीत हासिल करने के बेहद करीब नजर आ रहा था। लेकिन इसके बाद वो हुआ जिसकी उम्मीद न तो ऑस्ट्रेलिया ने की होगी और न ही अफगानिस्तान ने।

मैक्सवेल ने लगाया दोहरा शतक

ऑस्ट्रेलिया के 92 रन पर 7 विकेट गिरने के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने वो कमाल कर दिया जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। चोटिल मैक्सवेल ने एक पैर से लंगड़ाते हुए नाबाद दोहरा शतक लगातार ऑस्ट्रेलिया को 292 रनों के लक्ष्य तक पहुंचाया और एक ऐतिहासिक जीत अपनी टीम को दिलाई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया इस विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम भी बन गई। मैक्सवेल ने कप्तान पैट कमिंस के साथ मिलकर 8वें विकेट के लिए 170 गेंदों पर 202 रनों की नाबाद पार्टनरशिप की। सबसे बड़ी बात की इस पार्टनरशिप में कमिंस के सिर्फ 12 रन रहे, जो उन्होंने 68 गेंदों में बनाए। जबकि दूसरी ओर मैक्सवेल ने 128 गेंदों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 201 रनों की नाबाद पारी खेल डाली।

पीठ दर्द और हैमिस्ट्रिंग से जूझते दिखे मैक्सी

इस पारी के दौरान मैक्सवेल ने पीठ में भी दर्द की शिकायत की। साथ ही हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट भी लगी। मगर लंगड़ाते हुए मैक्सवेल ने पूरा मैच खेला। एक बार को तो ऐसा लगा कि मैक्सवेल खेल ही नहीं पाएंगे और मैदान से बाहर चले जाएंगे। लेकिन वो मैदान से बाहर नहीं गए। उन्होंने जज्बा दिखाते हुए अपनी टीम को दमदार जीत दिलाई और सेमीफाइनल में पहुंचाया। हालांकि, इस पारी के दौरान मैक्सवेल को 2-3 बड़े जीवनदान भी मिले। जिसका उन्होंने फायदा उठाया और तूफानी पारी खेलकर अफगानिस्तान के जबड़े से जीत छीन लाए। मैक्सवेल ने अपनी पारी में 10 छक्के और 21 चौके जमाए। मैक्सवेल ने इस ऐतिहासिक पारी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए।

महिलाओं पर विवादित बयान देकर घिरे नीतीश, मांगी माफी

सीएम बोले-मैं अपनी बात से शर्मिंदा हूं

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर दिया था शर्मनाक बयान

भाजपा ने घेरा- कर रही इस्तीफे की मांग

चारों तरफ सीएम की हो रही आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिलाओं को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर अब बिहार समेत पूरे देश की राजनीति गरमा गई है। तो वहीं नीतीश कुमार हर किसी के निशाने पर आ गए हैं। सीएम नीतीश कुमार ने एक दिन पहले यानी कि 7 नवंबर को जनसंख्या नियंत्रण पर बात करते हुए महिलाओं को लेकर शर्मसार करने वाली टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी को लेकर ही नीतीश सबके निशाने पर हैं और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। चारों तरफ से घेरे जाने के बाद अब आज नीतीश ने विधानसभा में अपने बयान को लेकर माफी मांग ली है। साथ ही नीतीश ने मीडिया के सामने भी अपने विवादित बयान को लेकर माफी मांगी।

मैं अपनी निंदा करता हूं और बात को वापस लेता हूं : नीतीश

माफी मांगते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं तो स्त्री शिक्षा के फायदे बता रहा था। बताया था कि कैसे लड़कियां पढ़-लिख गई तो जन्मदर में कमी आयी। मैंने जो बात कही, वह सही थी। लेकिन, इसकी चूंकि निंदा की जा रही है और लोगों को लग रहा है कि मैंने गलत बात की या गलत तरीके से कहा है तो मैं माफी मांगता हूं। अपनी बात वापस लेता हूं। नीतीश कुमार ने आज बिहार विधानमंडल में प्रवेश के साथ पहले मीडिया के सामने आकर यह बात कही। इसके बाद सीएम ने सदन के अंदर कहा कि अगर मेरी किसी बात को लेकर तकलीफ हुई है तो मैं अपनी बात वापस लेता हूं। मैं दुख प्रकट कर रहा हूं। मैं अपनी निंदा करता हूं। मेरी किसी शब्द के चलते किसी तो तकलीफ हुई है तो आप कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री शर्म करें। मैं न सिर्फ शर्म कर रहा हूं बल्कि दुख भी प्रकट करता हूं। लेकिन, आप लोग जान लीजिए महिलाओं के लिए बिहार में बहुत काम हो रहा है। आरक्षण को लेकर इतना काम हो रहा है।

बयान नीतीश के मानसिक दिवालियापन की निशानी : सुशील

हालांकि, माफी मांगने के बाद भी नीतीश लगातार लोगों के निशाने पर बने हुए हैं। भाजपा उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने बी ग्रेड और मूर्खतापूर्ण बयान दिया है। क्या विधानमंडल में सेक्स एजुकेशन का क्लास चल रहा था। उन्हें इस्तीफा देकर अतिपिछड़ा को मुख्यमंत्री बना दिया जाना चाहिए। वह जिस तरह से महिलाओं पर टिप्पणी कर रहे हैं, वह उनके मानसिक दिवालियेपन को दर्शाता है। सुशील मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने पहली बार ऐसा बयान नहीं दिया है, इससे पहले भी वह कई बार महिलाओं का अपमान कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री सदन में बैठने योग्य नहीं हैं : नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री मेमेरी लॉस हो चुकी है। उनकी याददाश्त कमजोर हो चुकी है। उनका मेडिकल जांच होना चाहिए। मुख्यमंत्री सदन में बैठने योग्य नहीं है। उन्हें फौरन इस्तीफा दे देना चाहिए। वह सदन और बिहार की गरिमा को धूमिल कर रहे हैं। बिहार की मां बहने और सदन में बैठे विधायकों का सिर शर्म से झुक चुका है।

दिया था ये बयान

मंगलवार को जनसंख्या नियंत्रण पर बात करते हुए नीतीश कुमार ने विधानसभा में महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि लड़की पढ़ी लिखी रहेगी तो जनसंख्या नियंत्रित रहेगी। इसी को समझाने के लिए नीतीश ने कहा कि लड़की पढ़ लेगी अगर, तो जब शादी होगा। तब पुरुष रोज रात में करता है ना। उसी में और (बच्चे) पैदा हो जाता है। लड़की अगर पढ़ लेगी तो उसको भीतर मत ..., उसको .... कर दो। इसी में संख्या घट रही है।

भाजपा और शिवराज सिंह चौहान किसानों के दुश्मन : कमलनाथ

» **बोले- चुनावी मौसम में बढ़ जाती है भाजपा के झूठ बोलने की शक्ति**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की जंग हर बीतते दिन के साथ और भी तीखी होती जा रही है। कोई भी राजनीतिक दल विरोधी पार्टी पर हमला करने का एक भी मौका छोड़ रहा है। इसी कड़ी में अब मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा के आरोपों पर जोरदार हमला बोला है।

कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि चुनावी मौसम में भारतीय जनता पार्टी की झूठ बोलने की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। बीजेपी के नेता पूरी बेशर्मी से सार्वजनिक मंचों से कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी ने किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। पूर्व सीएम ने आगे सबूत दिखाते हुए लिखा कि यह देखिए विधानसभा में कांग्रेस विधायक बाला बच्चन के सवाल के जवाब में शिवराज सिंह चौहान के कृषि मंत्री कमल पटेल ने खुद स्वीकार किया है कि कांग्रेस सरकार ने करीब 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया।

पहले सड़क पर घसीटा, अब की एफआईआर

» **प्रदर्शन कर रहीं डायल 112 की महिला कर्मियों पर प्रशासन की बर्बरता**

» **पुलिस भूली मानवता, शौचालय तक में लगा दिया ताला**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले तीन दिनों से वेतन बढ़ोत्तरी समेत अपनी कुछ मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहीं यूपी की डायल 112 की महिला कर्मियों को न्याय देने की बजाय, उल्टा प्रशासन उन पर और सख्त हो गया है। इन महिला कर्मियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन ने इन प्रदर्शन करने वाली महिलाओं पर कई धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है।

प्रदर्शनकारी महिला कर्मचारियों पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने हर्षिता कश्यप, पूजा सिंह, रीना शर्मा, मंजू सोनी और शशि पर नामजद तो 200 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर बलवा भड़काने, मार्ग बाधित करने, इमरजेंसी सेवा बाधित करने और सरकारी निर्देशों के उल्लंघन मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यूपी के डायल 112 पर महिला कर्मियों के प्रदर्शन के बीच एडीजी अशोक कुमार सिंह को भी हटा दिया गया है। उनकी जगह आईपीएस नीरा रावत को जिम्मेदारी दी गई है। इस मामले को तूल पकड़ते देख अफसरों की तैनाती में फेरबदल करने की बात कही जा रही है। वहीं, डीजी आनंद कुमार ने वापसी की है।

हटाए गए एडीजी अशोक कुमार सिंह

डायल-112 की महिलाओं के साथ पुलिस ने की धक्का-मुक्की

इसके पहले सोमवार को मुख्यालय पर धरना दे रहीं संवाद अधिकारियों को हटाने के लिए पुलिस मानवता तक भूल गई। रात में न सिर्फ उन्हें पानी लेने से रोक दिया, बल्कि उनके वॉशरूम पर भी ताला लगा दिया था। इसके बाद भी वे पूरी रात डटी रहीं और मंगलवार सुबह अपनी फरियाद लेकर सीएम आवास कूच किया। इस दौरान उन्हें रोकने पर पुलिस से तीखी झड़प हुई। करीब दो घंटे तक चली धक्कामुक्की और नोकझोंक के बाद पुलिस ने संवाद अधिकारियों को सड़क पर घसीट कर बसों में लादकर ईको गार्डन भेज दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी का पलटवार

पीएम जाति पर वोट मांगते हैं, लेकिन ओबीसी के साथ न्याय नहीं करते

» **बोले- मुसलमानों के प्रतिनिधित्व की बात करने पर मुझे एंटी नेशनल बता दिया जाता है**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जाति के आधार पर वोट की अपील कर रहे हैं, लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के साथ न्याय नहीं करना चाहते हैं।

एक दिन पहले पीएम मोदी के हैदराबाद में एक रैली के दौरान दिए गए भाषण पर पलटवार करते हुए ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी ने पिछड़े मुसलमानों के लिए आरक्षण हटाने का वादा किया है, 27 प्रतिशत ओबीसी कोटा का विरोध किया है और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा नहीं हटाई है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जातिगत पहचान पर वोट की अपील कर रहे हैं, लेकिन ओबीसी के साथ न्याय नहीं करना चाहते हैं। जब मैं कहता हूं कि भारतीय राजनीति में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व कम है, तो मुझे राष्ट्र विरोधी और सांप्रदायिक कहा जाता है। पीएम मोदी हताश हैं और यह दिख रहा है।

मोदी ने कहा था तेलंगाना से होगा भाजपा का पिछड़ा सीएम

बता दें कि पीएम मोदी ने हैदराबाद के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में कहा था कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा का पहला मुख्यमंत्री पिछड़ी जाति का यहीं से बनेगा। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि हैदराबाद आना हमेशा खास होता है और उससे भी ज्यादा खास है शहर के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में वापस आना। मैं 2013 में यहां अपनी रैली को कभी नहीं भूल सकता। उस समय, यह एक ओबीसी पीएम चुनने की यात्रा की शुरुआत थी। आज इसी स्थान से पिछड़े समुदाय से आने वाले तेलंगाना के भाजपा मुख्यमंत्री की उल्टी गिनती शुरू हो रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।